लोकाभिरामं स्तुति

लोकाभिरामं रणरंगधीरं राजीवनेत्रं रघुवंशनाथम् ।

कारुण्यरूपं करुणाकरंतं श्री रामचन्द्रं शरणं प्रपद्ये ।।

मनोजवं मारुततुल्यवेगं जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् ।

वातात्मजं वानरयूथमुख्यं श्रीरामदूतं शरणं प्रपद्ये ।।

राजीव नयन धरे धनु सायक । भगत बिपति भंजन सुखदायक ।।

मंगल भवन अमंगलहारी । द्रवउ सो दसरथ अजिर बिहारी ।।

जनकसुता जग जननि जानकी । अतिसय प्रिय करुनानिधान की ।।

ताके जुगपद कमल मनावऊं ।। जासु कृपाँ निरमल मति पावऊं ।।

महाबीर बिनवऊँ हनुमाना । राम जासु जस आप बखाना ।।

प्रनवउँ पवनकुमार खल बन पावक ग्यानघन ।

जासु हृदय आगार बसहिं राम सर चापधर ।।

कुंद इंदु सम देह उमा रमन करुना अयन ।

जाहि दीन पर नेह करउ कृपा मर्दन मयन ।।

सीयराममय सब जग जानी ।

करउ प्रनाम जोरि जुग पानी ।।